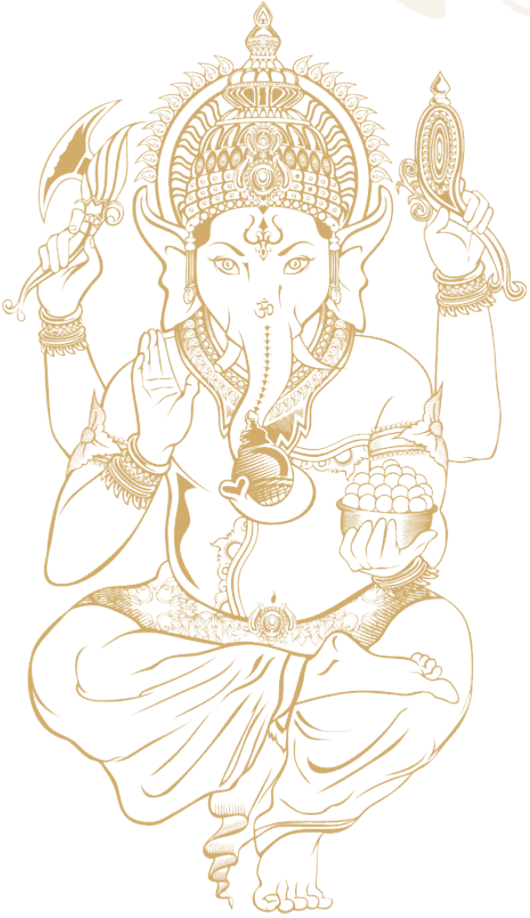

Shilpee

14 Nov 1994

06:45 PM

Saharsa

Model: web-freekundliweb Order No: 121792909

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/11/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:45:00 घंटे**
इष्ट	31:50:20 घटी
स्थान	**Saharsa**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:54:00 उत्तर
रेखांश	86:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:15:39 घंटे
साम्पातिक काल	22:35:02 घंटे
सूर्योदय	06:00:52 घंटे
सूर्यास्त	16:55:04 घंटे
दिनमान	10:54:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:09:03 तुला
लग्न के अंश	27:42:59 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:42:59	344:10:07	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			तुला	28:09:03	01:00:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मीन	17:34:20	12:01:47	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	26:46:19	00:25:23	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			तुला	11:54:08	01:28:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	वृश्चि	00:43:23	00:13:17	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र	व		तुला	10:24:59	00:22:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	11:54:52	00:00:33	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:02:32	00:00:54	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	21:02:32	00:00:54	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	29:23:22	00:02:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	27:17:19	00:01:22	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:56:36	00:02:23	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	13:15:02	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:18

लग्न-चलित

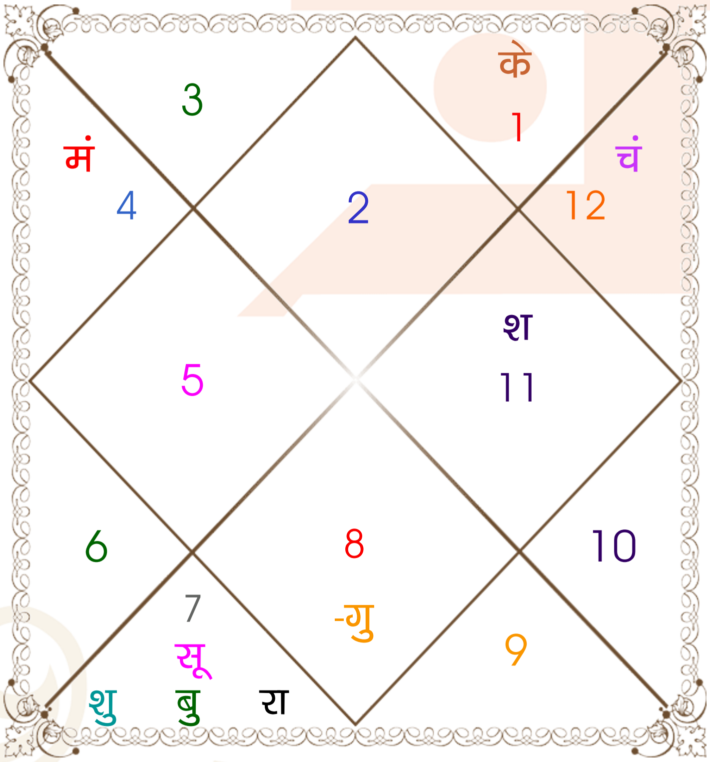

चन्द्र कुंडली

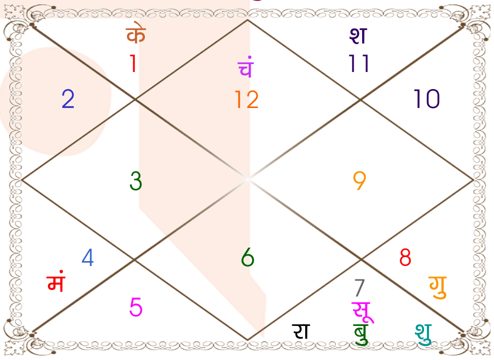

नवमांश कुंडली

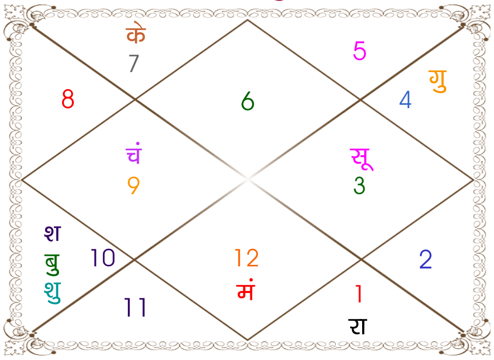

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 10 मास 4 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/11/1994		19/09/2010		19/09/2017		19/09/2037		19/09/2043	
19/09/2010		19/09/2017		19/09/2037		19/09/2043		19/09/2053	
बुध	15/02/1996	केतु	15/02/2011	शुक्र	18/01/2021	सूर्य	06/01/2038	चंद्र	19/07/2044
केतु	11/02/1997	शुक्र	16/04/2012	सूर्य	18/01/2022	चंद्र	08/07/2038	मंगल	17/02/2045
शुक्र	13/12/1999	सूर्य	22/08/2012	चंद्र	19/09/2023	मंगल	13/11/2038	राहु	19/08/2046
सूर्य	19/10/2000	चंद्र	23/03/2013	मंगल	18/11/2024	राहु	07/10/2039	गुरु	19/12/2047
चंद्र	20/03/2002	मंगल	19/08/2013	राहु	19/11/2027	गुरु	25/07/2040	शनि	20/07/2049
मंगल	17/03/2003	राहु	07/09/2014	गुरु	20/07/2030	शनि	07/07/2041	बुध	19/12/2050
राहु	04/10/2005	गुरु	14/08/2015	शनि	19/09/2033	बुध	14/05/2042	केतु	20/07/2051
गुरु	10/01/2008	शनि	21/09/2016	बुध	19/07/2036	केतु	19/09/2042	शुक्र	20/03/2053
शनि	19/09/2010	बुध	19/09/2017	केतु	19/09/2037	शुक्र	19/09/2043	सूर्य	19/09/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/09/2053		18/09/2060		19/09/2078		19/09/2094		20/09/2113	
18/09/2060		19/09/2078		19/09/2094		20/09/2113		00/00/0000	
मंगल	15/02/2054	राहु	01/06/2063	गुरु	06/11/2080	शनि	22/09/2097	बुध	15/11/2114
राहु	05/03/2055	गुरु	25/10/2065	शनि	20/05/2083	बुध	02/06/2100		00/00/0000
गुरु	09/02/2056	शनि	31/08/2068	बुध	25/08/2085	केतु	12/07/2101		00/00/0000
शनि	20/03/2057	बुध	20/03/2071	केतु	01/08/2086	शुक्र	10/09/2104		00/00/0000
बुध	17/03/2058	केतु	07/04/2072	शुक्र	01/04/2089	सूर्य	23/08/2105		00/00/0000
केतु	13/08/2058	शुक्र	08/04/2075	सूर्य	18/01/2090	चंद्र	24/03/2107		00/00/0000
शुक्र	13/10/2059	सूर्य	01/03/2076	चंद्र	20/05/2091	मंगल	02/05/2108		00/00/0000
सूर्य	18/02/2060	चंद्र	31/08/2077	मंगल	25/04/2092	राहु	09/03/2111		00/00/0000
चंद्र	18/09/2060	मंगल	19/09/2078	राहु	19/09/2094	गुरु	20/09/2113		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 10 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुंदर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।